



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर ने पायनियर रेयर अर्थ-फ्री मोटर टेक्नोलॉजीज के लिए न्यूमेरोस मोटर्स के साथ साझेदारी की

सहयोग का उद्देश्य दुर्लभ खनिजों पर निर्भरता को कम करते हुए टिकाऊ और किफायती ईवी घटकों में नवाचार को बढ़ावा देना है

भुवनेश्वर, 22 अप्रैल 2025: स्वदेशी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों में विशेषज्ञता रखने वाली नए जमाने की ओईएम न्यूमेरोस मोटर्स ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर के साथ एक रणनीतिक अनुसंधान सहयोग में प्रवेश किया है। दोनों संस्थाओं ने संयुक्त रूप से विभिन्न गैर-चुंबक या दुर्लभ पृथ्वी-मुक्त (आरई-मुक्त) मोटर टोपोलॉजी की खोज और मूल्यांकन पर केंद्रित दो साल की अनुसंधान पहल शुरू करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में क्रांति लाने के उद्देश्य से, यह नवाचार भारत के तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन बाजार के लिए मजबूत, लागत प्रभावी और टिकाऊ मोटर प्रौद्योगिकियों की पहचान करेगा। समझौते पर आईआईटी भुवनेश्वर के डीन (प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श) प्रोफेसर दिनाकर पासला की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

इस सहयोग का उद्देश्य पारंपरिक ईवी मोटर्स में प्रमुख घटकों - दुर्लभ पृथ्वी सामग्री पर निर्भरता को कम करके और ईवी विनिर्माण में स्थानीय नवाचार को प्रोत्साहित करके भारत के स्वच्छ गतिशीलता लक्ष्यों का समर्थन करना है। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में आईआईटी भुवनेश्वर की अकादमिक विशेषज्ञता को न्यूमेरोस मोटर्स के इलेक्ट्रिक ड्राइवट्रेन सिस्टम के व्यावहारिक ज्ञान के साथ जोड़कर, परियोजना मोटर समाधान विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगी जो कुशल और किफायती दोनों हैं। यह पहल आत्मनिर्भर, टिकाऊ ईवी प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

इस अवसर पर बोलते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक, प्रोफेसर श्रीपद कर्मलकर ने कहा: "उद्योग-अकादमिक सहयोग और उद्यमिता आईआईटी भुवनेश्वर के प्राथमिक फोकस क्षेत्रों में से हैं। हम स्थिरता सुनिश्चित करने की दृष्टि से इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में सहयोग करने में प्रसन्न हैं।" उन्होंने आईआईटी भुवनेश्वर के अनुसंधान और उद्यमिता पार्क में इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में की गई पहल पर भी प्रकाश डाला।

न्यूमेरोस मोटर्स के संस्थापक और सीईओ श्री श्रेयस शिबुलाल ने सहयोग पर टिप्पणी की: "न्यूमेरोस मोटर्स में हम जो कुछ भी करते हैं उसके मूल में नवाचार है। आईआईटी भुवनेश्वर के साथ हमारी साझेदारी भारत के इलेक्ट्रिक गतिशीलता परिदृश्य को बदलने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम

है। हमारा मानना है कि दुर्लभ पृथ्वी-मुक्त मोटर प्रौद्योगिकियां टिकाऊ, किफायती और वास्तव में स्वदेशी ईवीएस के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इन प्रौद्योगिकियों को स्केल करने से आयात निर्भरता कम करने, उत्पादन लागत कम करने और हरित, अधिक सार्थक योगदान देने में मदद मिलेगी।”

आईआईटी भुवनेश्वर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. अंकित दलाल ने कहा, "हम दुर्लभ-पृथ्वी-मुक्त मोटर प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए न्यूमेरोस मोटर्स के साथ इस दो साल की शोध यात्रा शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। यह साझेदारी टिकाऊ नवाचार और अत्याधुनिक इंजीनियरिंग के लिए एक साझा प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करती है। न्यूमेरोस के उद्योग नेतृत्व और आईआईटी में हमारी अनुसंधान क्षमताओं के साथ, हम इलेक्ट्रिक गतिशीलता के भविष्य के लिए प्रभावशाली समाधान बनाने के लिए तत्पर हैं।"

हस्ताक्षर समारोह में न्यूमेरोस मोटर्स और आईआईटी भुवनेश्वर दोनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो भविष्य के लिए तैयार इलेक्ट्रिक गतिशीलता समाधानों के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है जो कुशल और पारिस्थितिक रूप से टिकाऊ दोनों हैं।
